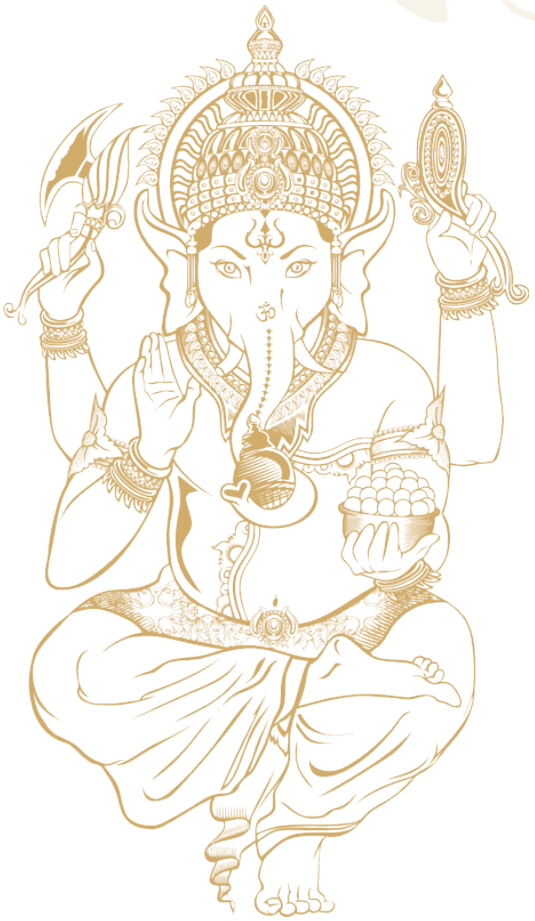

Srikant

18 May 1995

06:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121115202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/05/1995**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**18:00:00 घंटे**
इष्ट	31:16:52 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:37 घंटे
साम्पातिक काल	09:21:45 घंटे
सूर्योदय	05:29:15 घंटे
सूर्यास्त	19:06:12 घंटे
दिनमान	13:36:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	03:18:53 वृष
लग्न के अंश	20:05:18 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुभ
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	20:05:18	308:05:44	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
सूर्य			वृष	03:18:53	00:57:47	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	24:39:54	14:36:42	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			सिंह	03:04:38	00:25:23	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
बुध			वृष	23:12:01	00:28:10	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	18:27:22	00:07:06	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मेष	08:04:50	01:12:44	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि			कुंभ	29:02:44	00:04:29	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	स्वराशि
राहु	व		तुला	11:39:30	00:02:18	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	11:39:30	00:02:18	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	06:36:29	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	01:38:34	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	05:29:38	00:01:39	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कर्क	24:12:26	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:42

लग्न-चलित

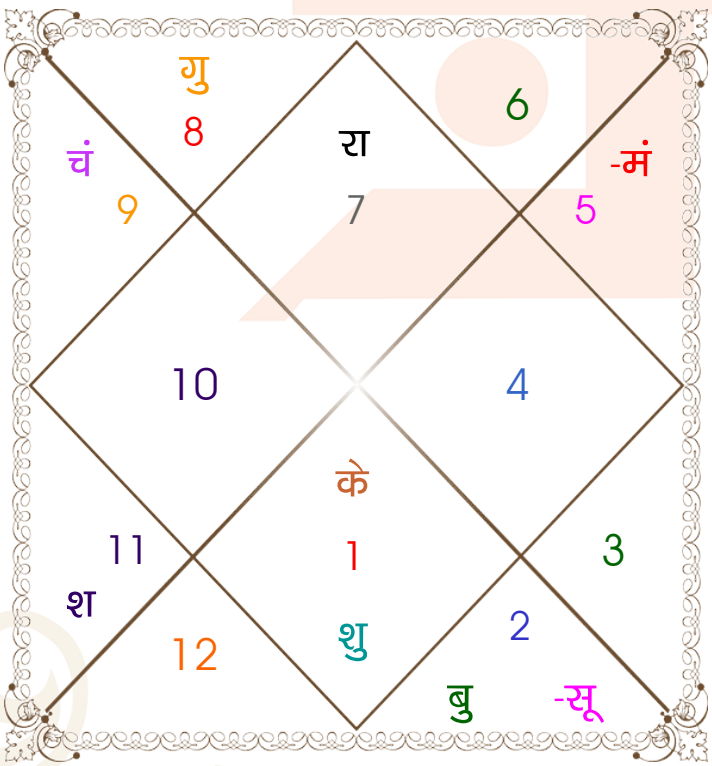

चन्द्र कुंडली

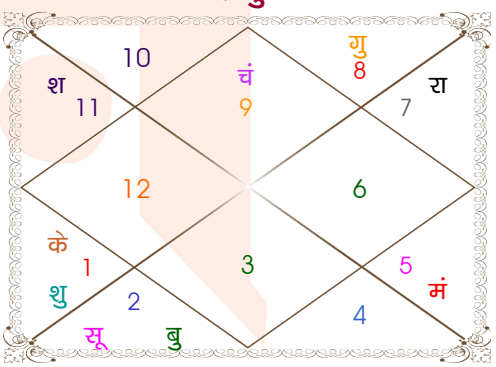

नवमांश कुंडली

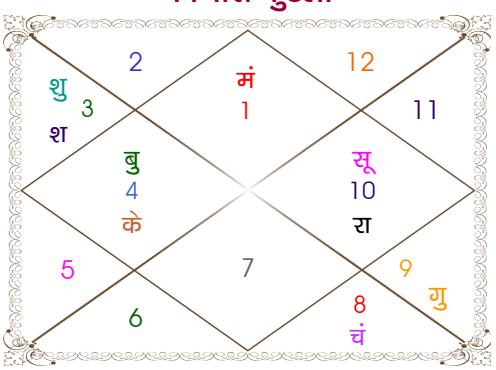

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 0 मास 0 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
18/05/1995		19/05/1998		18/05/2004		19/05/2014		19/05/2021	
19/05/1998		18/05/2004		19/05/2014		19/05/2021		19/05/2039	
	00/00/0000	सूर्य	06/09/1998	चंद्र	19/03/2005	मंगल	15/10/2014	राहु	30/01/2024
	00/00/0000	चंद्र	07/03/1999	मंगल	18/10/2005	राहु	03/11/2015	गुरु	25/06/2026
	00/00/0000	मंगल	13/07/1999	राहु	19/04/2007	गुरु	09/10/2016	शनि	30/04/2029
	00/00/0000	राहु	06/06/2000	गुरु	18/08/2008	शनि	17/11/2017	बुध	18/11/2031
	00/00/0000	गुरु	25/03/2001	शनि	19/03/2010	बुध	15/11/2018	केतु	05/12/2032
	00/00/0000	शनि	07/03/2002	बुध	19/08/2011	केतु	13/04/2019	शुक्र	06/12/2035
	18/05/1995	बुध	11/01/2003	केतु	19/03/2012	शुक्र	12/06/2020	सूर्य	30/10/2036
बुध	19/03/1997	केतु	19/05/2003	शुक्र	17/11/2013	सूर्य	18/10/2020	चंद्र	01/05/2038
केतु	19/05/1998	शुक्र	18/05/2004	सूर्य	19/05/2014	चंद्र	19/05/2021	मंगल	19/05/2039

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/05/2039		19/05/2055		19/05/2074		19/05/2091		19/05/2098	
19/05/2055		19/05/2074		19/05/2091		19/05/2098		00/00/0000	
गुरु	06/07/2041	शनि	22/05/2058	बुध	15/10/2076	केतु	15/10/2091	शुक्र	18/09/2101
शनि	18/01/2044	बुध	29/01/2061	केतु	12/10/2077	शुक्र	15/12/2092	सूर्य	19/09/2102
बुध	25/04/2046	केतु	10/03/2062	शुक्र	12/08/2080	सूर्य	21/04/2093	चंद्र	19/05/2104
केतु	01/04/2047	शुक्र	10/05/2065	सूर्य	18/06/2081	चंद्र	20/11/2093	मंगल	20/07/2105
शुक्र	30/11/2049	सूर्य	22/04/2066	चंद्र	18/11/2082	मंगल	19/04/2094	राहु	19/07/2108
सूर्य	18/09/2050	चंद्र	21/11/2067	मंगल	15/11/2083	राहु	07/05/2095	गुरु	20/03/2111
चंद्र	18/01/2052	मंगल	30/12/2068	राहु	03/06/2086	गुरु	12/04/2096	शनि	20/05/2114
मंगल	24/12/2052	राहु	06/11/2071	गुरु	08/09/2088	शनि	22/05/2097	बुध	19/05/2115
राहु	19/05/2055	गुरु	19/05/2074	शनि	19/05/2091	बुध	19/05/2098		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 0 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।